

बि. लो. से. आ.	B.P.S.C		परीक्षा EXAM. <u>70th B.P.S.C Mains</u>
परीक्षार्थी के लिए आवश्यक अनुदेश		विषय SUB. <u>12/01/2025 Polity</u>	तिथि DATE. <u>12/01/2025</u>
इन्हें सावधानी से पढ़ें और इसका अनुपालन करें, अन्यथा दंड के भागी होंगे।			
1. इस उत्तर पुस्तिका में (52) क्रमांकित पृष्ठ है। इसका सत्यापन कर लें। त्रुटि/कमी होने पर उत्तर पुस्तिका बदलवा लें।	प्रश्न संख्या Q.No.	उत्तर की पृष्ठ संख्या Pg. No. of Answer	प्राप्तांक Marks Obtained
2. प्रवेश पत्र से मिलान कर केवल इस आवरण पृष्ठ पर विहित स्थान पर 'अपना नाम एवं अनुक्रमांक' [Enrollment Number] अंतर्राष्ट्रीय अंको तथा अक्षरों में लिखें। परीक्षा और विषय का नाम भी नियत स्थानों पर लिखें।	1.	9-10	
3. अनुक्रमांक के सभी अंक अलग-अलग भाग बॉक्स में लिखें। 'शब्दों' में प्रत्येक अंक ठीक उसके नीचे, लम्बे बॉक्स में अक्षरवार लिखें।	2.	11-14	
4. उत्तर पुस्तिका के अन्दर किसी पृष्ठ पर प्रश्नोत्तर के अलावा अपना नाम, अनुक्रमांक, अन्य कोई [धार्मिक] शब्द या पहचान चिह्न नहीं लिखें अन्यथा उत्तर पुस्तिका रद्द कर दी जायेगी।	3.	16-19	
5. उत्तर पुस्तिका के दोनों तरफ लिखें। पुस्तिका के शेष बचे सभी सादे पृष्ठों (अंश सहित) को पूरी तरह क्रॉस [X] कर दें।	4.	23-24, 29	
6. अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जाएगी।	5.	31-33	
7. दाहिनी ओर विहित घेरा में उत्तरित प्रश्न की क्रम संख्या के सामने उसको पृष्ठ संख्या लिखें।	6.		
8. उपस्थिति पत्र पर प्रत्येक परीक्षा के लिए वहीं हस्ताक्षर करें जो उपस्थिति पत्र पर आपने पूर्व में किया है। अन्यथा उत्तर पुस्तिका रद्द कर दी जाएगी।	7.	43-48	
9. प्रश्नों के उत्तर एक ही स्याही में लिखें। यदि स्याही बदलनी पड़े तो इस आशय का निरीक्षक (Invigilator) से आवागमन पृष्ठ पर नियत स्थान पर अभिप्रमाणन अवश्य करावें।	8.		
10. यदि आप किसी प्रश्नोत्तर को रद्द करना चाहें तो आर-पार क्रॉस कर [X] काट दें तथा उसपर रद्द लिखें।	9.		
11. प्रश्नोत्तर निर्देशानुसार ही दें। यदि निर्धारित संख्या से अधिक प्रश्नोत्तर अंकित पाये जायेंगे, तब आरंभ में निर्धारित संख्या तक आने वाले प्रश्नोत्तर ही मूल्यांकित किये जायेंगे और शेष की उपेक्षा कर दी जायेगी।	10.		
12. एक प्रश्न का उत्तर पूरा लिखने के बाद ही दूसरा प्रश्नोत्तर लिखें।	11.		
13. कम्प्यूटर उपस्थिति सूची में अपने नाम के समक्ष उत्तरपुस्तिका की संख्या अवश्य लिखें और हस्ताक्षर करें अन्यथा उत्तर पुस्तिका रद्द कर दी जायेगी।	12.		
14. पुस्तक कृजा/नोट्स आदि परीक्षा कक्ष से बाहर निर्धारित स्थान पर ही रखें।	13.		
15. परीक्षा कक्ष में यदि कोई पुस्तक/उत्तर सामग्री आपसे ग़लत होगी या आप नकल करते/कराये/बातचीत करते/दुर्व्यवहार करते पाये गये तो परीक्षा कक्ष से तत्क्षण बहिष्कृत किये जायेंगे। अग्रिम द्वारा अनिवार्य रूप से भी दंडित किये जा सकेंगे और विगत परीक्षा मंचानन अधिनियम 1985 के उपबंधों के अधीन दंडित किये जा सकेंगे।	14.		
16. उत्तर पुस्तिका सौंप कर/ले लिये जाने के बाद ही परीक्षा कक्ष में बाहर निकलें।	15.		
17. परीक्षा कक्ष में मोबाईल फोन वर्जित है।	16.		
18. कक्षाधीक्षक के निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है।	17.		
	18.		
	19.		
	20.		
	कुल [अंको में] TOTAL [IN FIGURES]		
	कुल [शब्दों में] TOTAL [IN WORDS]		
	परीक्षक EXAMINER	प्रधान परीक्षक HEAD EXAMINER	
	B	70202328	

(e) Discuss the role of regional politics in Bihar.

7

क्षेत्रीय
बिहार में क्षेत्रीय राजनीति की भूमिका की चर्चा कीजिए।

बिहार में क्षेत्रीय राजनीति की भूमिका बिहार की
अन्य पॉलीटिकल वर्गों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती
है। क्योंकि बिहार की क्षेत्रीय राजनीति की
ही परभाव है हमारी आगामी पीढ़ी की नैतिक
तथा राजनीतिक स्थिति होती है जो एक राज्य के
लिए पूरे देश की परम्परागत पॉलिटिक्स में अच्छी
की भूमिका निभाती है।

बिहार की क्षेत्रीय राजनीति

है राज्य के अनेकों नये-नये कर्मचारियों की निर्माण
होती है जो कि एक अच्छे राज्य के पा देश
के हित के हैं।

और साथ बड़े बिहार की क्षेत्रीय

राजनीति में क्योंकि यहाँ के क्षेत्रीय राजनीति
में महिलाओं की कारण 50% है जो हमेशा
है कि हमारी महिलाओं की विशेष रूप से कार्य

Bihar Naman Publication, Patna

आकर बिहार की राजनीति में काग ले तथा अपनी
योग्यता योग्यता के आधार पर उच्च से उच्च
बिहार की राजनीति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे
अतः बिहार की क्षेत्रीय राजनीति है हमी
भारत के-के न नेता तथा राजनेता बनने
का अवसर क्षेत्रीय राजनीति से मिलती है अतः
बिहार में क्षेत्रीय राजनीति का होगा अत्यन्त
ही महत्वपूर्ण है

उपरा में अनुसूचित जाति

(4)

2. Describe the structure and functions of the Election Commission of India. How is the 18th Lok Sabha election different from the 17th Lok Sabha election? How has the Election Commission been upgraded during this period? Explain.

38

भारत के निर्वाचन आयोग की संरचना एवं कार्यों का वर्णन कीजिए। 18वीं लोकसभा चुनाव किस प्रकार 17वीं लोकसभा चुनाव से भिन्न है? इस समयकाल में चुनाव आयोग किस प्रकार अपग्रेड किया गया है? समझाइए।

or/अथवा

Examine the structure, powers, and functions of the Supreme Court of India. Do you agree that the Supreme Court is interfering with the functioning of the legislature? Provide arguments in yes or no.

38

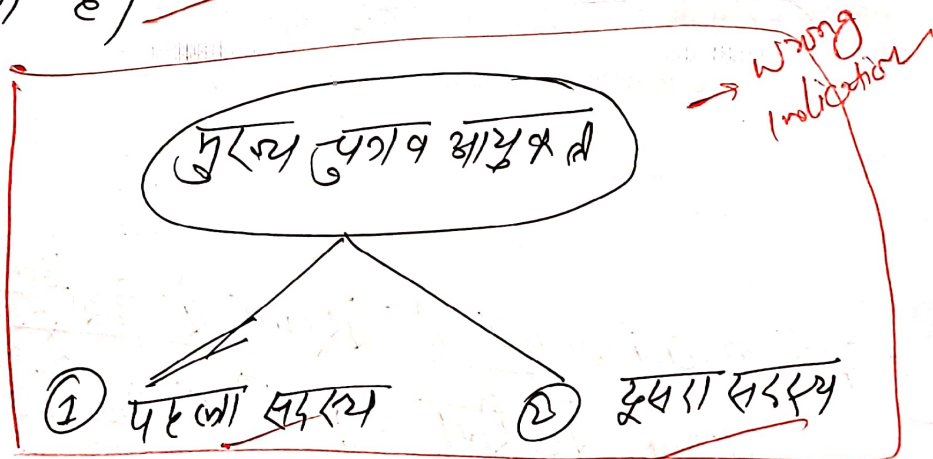
भारत के सर्वोच्च न्यायालय के संगठन, शक्तियों एवं कार्यों की विवेचना कीजिए। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि सर्वोच्च न्यायालय विधायिका के कार्य में हस्तक्षेप कर रहा है? हाँ या ना में तर्क प्रस्तुत कीजिए।

भारत के निर्वाचन आयोग की संरचना से देश की
व्यवस्था का एक बेहतर नमूना पेश करती है।
क्योंकि इसी से हमारी देश की पहचान की
हूँ है। और अच्छे लोकतंत्र की पहचान
करते जा रही है।

भारत के निर्वाचन आयोग की
संरचना का उद्देश्य हमारी राजनैतिक व्यवस्था

Bihar Naman Publication, Patna

कै सुन्यवस्थित दंग से ठियमों का पालन
करवाना, नियम व शर्तें लाया करवाना इत्यादि
हैं ताकि हमारी लोकतंत्रात्मक व्यवस्था बनी रहे
इसकी संरचना हमारी तीन सदस्यीय कमिशन
व्यक्तित्व पर आधारित है जो कि हाल ही
में 2024 की लोकसभा चुनाव में देखने का
मिला है।



11वीं लोकसभा चुनाव 2019 में आयोजित हुई
इस चुनाव की मुख्य विशेषताओं में महिलाओं
की योगदान तथा जागरूकता में काफी रुचि
देखने का मिलती है इस चुनाव में कुल
लोकसभा सीट का 75 सीट महिलाओं जीती तथा
बाकी सभी सीटें पर पुरुष विजेता रहा।

18वीं लोकसभा का चुनाव 2024 में मई में समाप्त हुई। इस चुनाव में हमें भूतक परिवर्तन देखने को मिलती है —

① जिसका महाधिका की आयु को 80 से 85 वर्ष बढ़ा दिया गया है।

② कौटिल्य के लिए या जिवरिच कश्ने के लिए सात चरणों में कौटिल्य बँट गया।

③ इसमें पिछले चुनावों के टिग (89.6 करोड़) की अपेक्षा अधिक मतदाता (लगभग 95 करोड़) मतदाता ने भाग लिया।

④ कौटिल्य की प्रशिक्षता में अ बढ़ोतरी हुई है।

⑤ आधुनिक चुनावी तरीकों का इस्तेमाल से अधिक ताकिक व पारदर्शिता परिणाम भी देखने को मिली।

अतः हम कह सकते हैं कि

पिछले चुनावों (17वें) की अपेक्षा में थोड़ी
अपग्रेडिंग सिस्टम देवने को मिली है ताकि
अधिक पारदर्शिता से हमारी लोकतांत्रिक
चुनाव व्यवस्था पर भरोसा के अपग्रेडिंग को
सिस्टम को सुव्यवस्थित चुनाव हो सके।

Need more content

13

3. Provide examples of pressure groups in India. Explain their role in establishing democracy. 38

भारत के दबाव समूहों का उदाहरण के साथ वर्णन कीजिए। लोकतंत्र की स्थापना के लिए इनकी भूमिका स्पष्ट कीजिए।

or/अथवा

"Indian Parliament has constitutionally imposed restrictions." Explain and discuss how these are visible in practice. 38

"भारतीय संसद पर संविधान के युक्तियुक्त प्रतिबंध है।" व्याख्या कीजिए और बताइए की वे व्यवहार में कहाँ तक दिखाई देता है?

भारत के चुनाव में या अच्छी लोकतांत्रिक
देशों के चुनावों में दबाव समूहों की अच्छी
शक्ति रहती है और यदि यह ज्यादा
उत्तम प्रकृति की होती है तो यह सही है
अपेक्षा उससे ज्यादा खराब परिणाम भी
देकर के मिलती है।

वर्तमान भारत में हमें

अच्छी विभिन्न दबाव समूहों की स्पष्ट उदाहरण
देकर के मिलती है। जैसे - ASSO CHAM

- AITWC

- BMS

- दलित सैन्य

- द हिंदी प्रोटेक्शन परिषद

- आइपीएस एसोसिएशन

एक अच्छे लोकतंत्र की स्थापना

में इनकी से अधिक अल्पत ही महत्वपूर्ण है।
क्योंकि सरकार की जब कोई नीति अधिक से
अधिक प्रभावहीन होती है तो उस समय दल
समूह की एकता ही उसे सही दिशा देती है।
अथवा यदि सरकार या कोई व्यक्ति
राजनीतिक पार्टी किसी भी बात को धुनने
या समझने से दगा कर देती है तो उस
समय में इसका समूह की अल्पत महत्वपूर्ण
कार्य को धुनने से ही सरकार अपनी

नीति या कार्रवाई की बदलाव करती है
या उस नीति को लागू करने से पहले पहले
कई पहलों या सालों तक रुकी रह जाती है

जैसे - न्यूनतम समर्थक दल, समाज गति
दीर्घा ये सभी हाल ही में नये कदम
द्वारा से ही विचारधीन हैं। वर्तमान में
तीन बड़ा का मुद्दा जो लागू भारत में लागू हो
चुका है कई सालों से इसका समूह ही
श्री भी एक बड़ी शक्ति के कारण ये अब
लागू हो पायी है

कभी-कभी ये ही दबाव
समूह हैं। जो सैन्य पार्टी का
उभरती है।

दबाव समूह कोई सैन्य पार्टी या नेशनल
पार्टी की भी समर्थन से चलती है

जैसे - AISSF - भारत के बी.जे.पी के द्वारा

संचालित दस वर्ष सुरू है
MAITUC कांग्रेस से संचालित दस वर्ष सुरू है
सभी वही-वही पार्टी का एक दस वर्ष सुरू है
ही किसी नीति के लागू होने देंगे या विरोध
करना दूसरी अथवा दिपक्षी पार्टी का काम है
अतः दस वर्ष सुरू भारत में सरकार
की एकतरफा कारण में लगाने लगाने जैसा
काम है जो एक बड़े सराहनीय है या
किसी नीति के विफल होने पर एक आये
की तरह काम करती है जो कि एक लोकतांत्रिक
देश के लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है

(15)